

सांत्वन पुं. (तत्.) ढाढ़स बंधाना, तसल्ली, तुष्ट करने का साधन, तुष्ट करने वाले शब्द, अभिवादन तथा कुशल वार्ता।

सांत्वना स्त्री. (तत्.) 1. दुःखी, शोकाकुल या संतप्त व्यक्ति को शांत करने तथा समझाने-बुझाने की क्रिया 2. चित्त की शांति और स्वस्थता 3. प्रणय, प्रेम।

सांत्ववाद पुं. (तत्.) वह बात जो किसी को सांत्वना देने के लिए कही जाए, सांत्वना का वचन।

सांत्वित पुं. (तत्.) जिसे सांत्वना दी गई हो या मिली हो।

सांद्ष्टिक वि. (तत्.) एक ही दृष्टि में होने वाला, देखते ही तुरंत होने वाला, तात्कालिक।

सांद्ष्टिक न्याय पुं. (तत्.) एक प्रकार का न्याय, जिसका प्रयोग उस समय किया जाता है, जब कोई चीज देखकर उसी तरह की कोई दूसरी चीज याद आ जाती है।

सांद्र वि. (तत्.) 1. एक में गुथा, जुड़ा या मिला हुआ 2. गंभीर, घना उदा. उठा सांद्र तन का अवगुंठन 3. हृष्ट-पुष्ट 4. तीव्र 5. बहु, अधिक 6. स्निग्ध 7. मनोहर 8. मृदु।

सांद्रता स्त्री. (तत्.) सांद्र होने की अवस्था, गुण या भाव।

सांद्र-प्रसाद पुं. (तत्.) एक प्रकार का प्रमेह, जिसमें मूत्र का एक अंश गाढ़ा और कुछ अंश पतला निकलता है।

सांद्र-मेह पुं. (तत्.) दे. सांद्र प्रसाद।

सांध स्त्री. (तद्.) निशाना, लक्ष्य।

सांधिक पुं. (तत्.) वह जो मद्य बनाता या बेचता हो, शौंडिक। वि. संधि या मेल कराने वाला।

सांधिविग्रहिक पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में, वह राजकीय अधिकारी जिसे दूसरे राज्यों के साथ संधि और विग्रह करने का अधिकार होता था।

सांध्य वि. (तत्.) संध्या-संबंधी, संध्या का, संध्या के समय होने वाला।

सांध्य-कुसुमा स्त्री. (तत्.) ऐसी वनस्पतियाँ या बेलें जो संध्या के समय फूलती हों।

सांध्य-गोष्ठी स्त्री. (तत्.) संध्या के समय आमंत्रित मित्रों की गोष्ठी, जिसमें जलपान भी होता है।

सांध्य प्रकाश पुं. (तत्.) सूर्यादय तथा सूर्यास्त के समय दिखलाई पड़ने वाला धुंला प्रकाश।

सांपत्तिक वि. (तत्.) संपत्ति से संबंध रखने वाला, संपत्ति का।

सांपद वि. (तत्.) संपदा-संबंधी, संपदा का।

सांपातिक वि. (तत्.) 1. संपात-संबंधी 2. संपात काल में होने अथवा संपात काल से संबंध रखने वाला।

सांप्रत वि. (तत्.) उपयुक्त, उचित, सामयिक, ठीक, वर्तमान काल-संबंधी अव्य. अब, तत्काल, अभी, उपयुक्त रूप में।

सांप्रतिक वि. (तत्.) आधुनिक, वर्तमानकाल-संबंधी, उपयुक्त, ठीक।

सांप्रदायिक वि. (तत्.) परंपरा संबंधी, संप्रदाय संबंधी, किसी विशिष्ट संप्रदाय से ही संबद्ध तथा शेष संप्रदायों से द्वेष रखने वाला, विविध संप्रदायों के पारस्परिक विद्वेष के फलस्वरूप होने वाला। communal

सांप्रदायिकता स्त्री. (तत्.) सांप्रदायिक होने का भाव, मात्र अपने संप्रदाय की ही पक्षधरता और दूसरे संप्रदायों के प्रति हीन दृष्टि रखना। communalism

सांब पुं. (तत्.) 1. अंबा अर्थात् पार्वती सहित शिव 2. जांबवती से उत्पन्न कृष्ण का एक पुत्र।

सांबंधिक वि. (तत्.) संबंध विषयक, संबंधी, संबंध-जन्य पुं. विवाह-जन्य संबंध, किसी की पत्नी का भाई, साला।

सांबपुर पुं. (तत्.) चंद्रभागा के तट पर स्थित एक प्राचीन नगर।

सांबपुराण पुं. (तत्.) एक उप पुराण का नाम।